सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 9
अंक : 99
अप्रैल : 2018

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

8 | ईमानदारी किसी कानून-कायदे की मोहताज नहीं होती..

10 | समसामयिकी घटना संग्रह

11 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 | आर्थिक घटना संग्रह

- केन्द्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने लोक सभा में आम बजट 2018-19 पेश किया
- उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री राजेश अग्रवाल ने वर्ष 2018-19 का बजट पेश किया
- राष्ट्रीय आय के प्रथम संशोधित अनुमान जारी

25 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- नीति आयोग ने जारी की 'स्वस्थ राज्य, प्रगतिशील भारत' रिपोर्ट
- गांधीनगर रेलवे स्टेशन देश का पहला 'ऑल वुमेन रेलवे स्टेशन' बना
- दिल्ली में आनंद कारज मैरिज एक्ट लागू

29 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत और ईरान के बीच 9 समझौतों पर हस्ताक्षर
- भारत और सेशेल्स में समझौता
- अन्तर्राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा सूचकांक, 2018
- भारत और यूएई के मध्य पाँच समझौतों पर हस्ताक्षर
- भारत दुनिया का छठा सबसे अमीर देश

33 | खेल खिलाड़ी

- भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 2–1 से हराकर टी–20 सीरीज जीती
- भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर 5–1 से वनडे सीरीज जीती

36 | विज्ञान समाचार

38 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

42 | सांस्कृतिक लेख—होली मदनमास के अनेक रंगों की होलीयारी और बाजार

43 | मुद्रा लेख—बिटकॉइन

44 | नियोजन सम्बन्धी लेख—सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना : कार्य एवं उद्देश्य

45 | कृषि लेख—शुष्क कृषि हेतु नवीन विकसित तकनीकी सुझाव

82 | रेलवे परीक्षा के लिए विशेष—सामान्य जागरूकता

86 | भारतीय रेलवे–यात्री सुविधाओं एवं डिजिटल इण्डिया हेतु 50 सशक्त कदम

87 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

88 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-96 का परिणाम

89 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

47 | रेलवे भर्ती बोर्ड गैर–तकनीकी (एनटीपीसी) परीक्षा, 2016

55 | इलाहाबाद हाई कोर्ट समूह 'घ' परीक्षा, 2017

आगामी स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित लिपिकीय संवर्ग परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

60 | तर्कशक्ति

63 | संख्यात्मक क्षमता

66 | English Language

68 | आगामी उत्तर प्रदेश पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

75 | आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड की ग्रुप-डी कम्प्यूटर आधारित परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

80 | वस्तुनिष्ठ प्रश्न–भारतीय रेलवे सामान्य ज्ञान

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेलः सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयरः care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2303340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
फोन– 033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर. टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन– 040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **इन्दौर**
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

ईमानदारी किसी कानून-कायदे की मोहताज नहीं होती.....

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

एक बार किसी महात्मा का प्रवचन चल रहा था. प्रवचन समाप्ति पर एक श्रोता ने उन महात्माजी से पूछा कि—अनादिकाल से कितने ऋषि-मुनि, महापुरुष आए, कितने अच्छे-अच्छे ग्रन्थ लिखे गए, प्रचार-प्रसार भी खूब हो रहा है फिर भी क्या कारण है कि इंसान में इंसानियत बहुत कम मिलती है. चारों ओर व्यसनपरस्ती, फैशनपरस्ती, कलह-क्लेश, भ्रष्टाचार ये सारे दोष पनपते ही चले जा रहे हैं. वे सज्जन श्रोता बोले कि आखिर ये आदमी सुधरता क्यों नहीं ? वह किसको सुने कि समाज सुंदर हो जाए. क्या कोई सुपर ह्यूमन ही आकर सबको सही राह चला पाएगा ? महात्माजी मुस्कराए और कहने लगे कि देखो भाई! सुपर ह्यूमन भी कई आए और कई चले गए. जब तक आदमी खुद को ही नहीं सुन लेता, तब तक वह किसी के द्वारा नहीं बदला जा सकता. जिसने अपने आपके साथ ईमानदारी से जीना जाना है, खुद को सुनना-समझना जाना है, वही इंसान इंसानियत को जीता है. ईमानदार इंसान ही इंसानियत को जीता है, शेष जितने भी धर्मोपदेश हैं, वे तब तक नाकामयाब हैं, जब तक ईमानदारी न हो.

ईमानदारी किसी कानून-कायदे की मोहताज नहीं होती. उसे किन्हीं अन्य कारणों से लाया नहीं जाता. अगर डर या लालच से कोई ईमानदारी का ढोंग रचता है, तो वह स्वयं बेईमान है. जब तलक एक इंसान खुद के प्रति सच्चा न हो तब तलक उसके लिए कहे गए, लिखे गए या पढ़े गए सारे ही उपदेश व्यर्थ हैं. ''जो अपनी ही बात नहीं मानता, वह गुरु, ग्रंथ और धर्म की बात को मान ही कैसे सकता है ?'' हम खुद की सच्चाई को नहीं जीते. स्वयं की निष्ठा स्वयं में न हो, तो ईमानदारी कहाँ ? जिसके भीतर-बाहर में भेद नहीं, जो अपने मन, वाणी व कर्म के प्रति सच्चा है, वही ईमानदार है. ईमानदार को किसी भी कानून-कायदे के खौफ की जरूरत नहीं है.

ईमानदार अगर कोई उसे देखे अथवा न देखे, वह अपने कर्तव्य को, अपने आज्ञा धर्म को, अपने लिए निर्धारित नियमों को नहीं लोपता है. ऐसा नहीं है कि कोई देखे तो रेड लाइट क्रॉस न करे, कोई न देख रहा हो, तो क्रॉस कर दे. कोई पकड़ न ले इस डर से नियमों का पालन करे और ये डर न हो, तो मनमर्जी आचरण करे. ईमानदार को कभी किसी अन्य की अपेक्षा नहीं होती. उसका आचरण उसके विवेक का परिणाम होता है.

> *Honesty is a very expensive gift. Don't expect it from cheap people.*

वह जो कानून-कायदे से डर कर औपचारिक आचार करता है, वह वस्तुतः खुद को धोखे में रखता है. खुद को धोखे में रखकर फिर की गई सारी औपचारिक क्रियाएं, पूजा-पाठ, जप-तप सब व्यर्थ हो जाते हैं. यह ही सबसे बड़ा कारण है कि आदमी को कोई अन्य धर्म गुरु या कानून भी, शास्त्र-सूत्र या ग्रन्थ साहेब भी सुधार न सका. ईमान है, तो सब सार्थक अन्यथा सब निरर्थक ही तो है. सब औपचारिक ही तो है. दिखावटी व बनावटी ही तो है.